कम्बोडिया के सम्राट महामहिम नोरोडोम सिहामौनी की शाही सभा में भाषण

----

1. मुझे समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के देश कंबोडिया में आकर अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। महामहिम सिहामौनी_एवं कंबोडिया की मित्रवत जनता को मेरी ओर से, भारत की संसद की ओर से तथा भारत के नागरिकों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

2. भारत के संसदीय शिष्टमंडल के सदस्यों को महामहिम द्वारा सभा में आमंत्रित करने के लिए आपका हार्दिक आभार। संसद के मेरे सहयोगियों के साथ मेरे स्वागत के लिए भी आपका एवं कंबोडिया की जनता का आभार।

3. महामहिम, भारत और कम्बोडिया के प्राचीन काल से गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संपर्क रहे हैं। बौद्ध धर्म ने दोनों देशों की जनता को एक दूसरे से निकटता से जोड़ा है। कम्बोडिया के **अंकोरवाट, टो प्रॉह्म, प्रेह विहेर** और अन्य धार्मिक स्थल हमारे ऐतिहासिक और सभ्यतागत संपर्कों के प्रमाण हैं।

4. विशेष रूप से वास्तुशिल्प की अनुपम कृति अंकोरवाट मंदिर दोनों देशों के नागरिकों के बीच प्राचीन संपर्क के प्रमाण हैं। यह मंदिर कंबोडिया ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता की धरोहर हैं। दोनों देशों में हिन्दू और बौद्ध परंपराओं तथा पाली-संस्कृत भाषा की साझी विरासत हमारे साझे इतिहास की ओर संकेत करते हैं।

5. महामहिम, यह वर्ष दोनों देशों के लिए विशेष है क्योंकि वर्ष 1952 में हमारे राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद सात दशक पूरे हो चुके हैं।

6. भारत ने कम्बोडिया की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपना समर्थन एवं सहयोग दिया है। भारत कम्बोडिया को खमेर रौज के पश्चात् मान्यता देने वाला पहला लोकतांत्रिक देश था। यह दर्शाता है कि हमारे संबंध कितने प्रगाढ़ हैं।

7. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कम्बोडिया हमारी 'एक्ट ईस्ट' नीति और आसियान के साथ और अधिक आर्थिक सहयोग के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण साझेदार है।

8. मेरी इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग को और अधिक बढ़ाना है। बेहतर संसदीय सहयोग हमारे सौहार्दपूर्ण संबंधों में एक नया आयाम जोड़ेगा।

9. महामहिम, भारत विश्व का सबसे बड़ा एवं सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। आज जब पूरे विश्व में लोकतंत्र को शासन की सबसे उत्कृष्ट पद्धति माना जाता है, मुझे आपको बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता है

कि स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों में भारत ने लोकतंत्र के माध्यम से अपने नागरिकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं।

10. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अपनी लोकतान्त्रिक संस्थाओं के माध्यम से हमने अपनी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान निकाला है। यही कारण है कि जनता की लोकतंत्र में तथा लोकतान्त्रिक संस्थाओं में आस्था बढ़ी है। लोग मानते हैं कि उनकी समस्याओं का निवारण लोकतान्त्रिक प्रक्रिया के द्वारा ही हो सकता है।

11. भारत की संसद एवं विधान सभाएं सामूहिक रूप से 1.3 बिलियन लोगों की आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही हैं। इसी कारण हमारा मानना है कि संसदीय शिष्टमंडलों की परस्पर यात्राओं से दोनों देशों में लोकतंत्र सशक्त होगा और नियमित विचार विनिमय से हमारी प्रक्रियाएं एवं परंपरायें और समृद्ध होंगी।

12. इसी क्रम में मेरी कम्बोडिया के दोनों चैम्बरों के पीठासीन अधिकारियों के साथ वार्ता हुई जिसमें दोनों पक्षों द्वारा भारत-कम्बोडिया संसदीय मैत्री समूह की शीघ्र स्थापना पर सहमति व्यक्त की गई।

13. महामहिम, भारत कंबोडिया के बीच आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति, भारत-आसियान सहयोग ढ़ांचा, भारत-CLMWB सहयोग और मेकांग-गंगा सहयोग पर आधारित है। मेरा मानना है कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध अपने potential के अनुरूप नहीं हैं।

14. पिछले वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में हुई वृद्धि को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है तथा व्यापारिक सहयोग के नए क्षेत्रों को सामने लाने की आवश्यकता है। इसके लिए दोनों देशों के व्यापारिक संघों के बीच निरंतर चर्चा संवाद होना चाहिए।

15. दोनों देशों के बीच अत्यधिक सौहार्दपूर्ण राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंध होने के साथ साथ व्यापार के क्षेत्र में वृद्धि एवं बेहतर सहयोग की असीम संभावनाएं हैं।

16. दोनों देशों को व्यापार, निवेश, पर्यटन, विकास परियोजनाओं आदि को आगे बढ़ाने के सतत् प्रयास करने चाहिए, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और सुदृढ़ करने और उसे ऊंचाई पर ले जाने में सहायता मिलेगी।

17. मैं प्रधानमंत्री हून सेन के जनवरी, 2018 में भारत के राजकीय दौरे और भारत-आसियान स्मारक शिखर सम्मेलन और गणतंत्र दिवस समारोह 2018 में उनकी भागीदारी का स्मरण कराना चाहूंगा। उनके भारत के इस दौरे से हमारे परम्परागत रूप से गहरे मैत्रीपूर्ण संबंध और सुदृढ़ हुए और परस्पर सहयोग के लगभग सभी क्षेत्रों में इनका विस्तार हुआ।

18. मैं कम्बोडिया द्वारा कोविड-19 महामारी से बचाव के प्रभावकारी उपाय किए जाने की सराहना करता हूं। राष्ट्रीय स्तर पर कम्बोडिया द्वारा किए गए उपायों से वायरस को फैलने से रोकने और समाज के कमजोर तबकों की सहायता करने में बहुत सफलता मिली।

19. कोविड वैश्विक महामारी ने हमें सिखाया है कि वैश्विक चुनौतियों का सामना सामूहिक प्रयासों से ही किया जा सकता है। इसी भावना से भारत ने अपनी क्षमताओं का उपयोग विश्व में टीके की डोज एवं दवाएं तथा अन्य उपकरण की आपूर्ति के लिए किया। हम आगे भी अपने अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

20. महामहिम, कम्बोडिया ने सदैव संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न निकायों, अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत का समर्थन किया है। इसमें आसियान के भीतर समर्थन और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता के लिए हमारी उम्मीदवारी का समर्थन शामिल है। इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं।

21. मैं कम्बोडिया द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की अस्थायी सदस्यता (2021-2022) के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए धन्यवाद करता हूं और यह आशा करता हूं कि यह सहयोग बहुपक्षीय मंचों पर जारी रहेगा।

22. भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में हम इस वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। इसी वर्ष 30 मई, 2022 को कम्बोडिया के साथ राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपकी भारत यात्रा संभव हो पाएगी। हम महामहिम के इस दौरे की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

23. भारत का मानना है कि आसियान विश्व के सबसे प्रभावशाली आर्थिक समूहों में से एक है। इसने दक्षिण पूर्व एशिया की समृद्धि एवं उन्नति को सुनिश्चित किया है। इस परिप्रेक्ष्य में, मैं कम्बोडिया को आसियान की अध्यक्षता मिलने पर बधाई देता हूं और भारत द्वारा वर्ष 2022 में उसकी आसियान की अध्यक्षता को सफल बनाने में पूर्ण समर्थन और सहायता का आश्वासन देता हूं।

24. आसियान-भारत की साझेदारी की 30वीं वर्षगांठ मनाने के लिए वर्ष 2022 को आसियान-भारत मैत्री वर्ष के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।

25. दोनों पक्षों ने इस विशेष अवसर को मनाने के लिए अलग-अलग और संयुक्त रूप से कई कार्यकलापों की योजना बनाई है। इसी क्रम में हमने आसियान संसदों के पीठासीन अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल को 10 से 15 अगस्त, 2022 के दौरान भारत आने का निमंत्रण दिया है।

26. महामहिम, मेरी कामना है कि भारत कंबोडिया संबंधों को भविष्य में और अधिक मजबूत बनाने के लिए हमारे संसदीय एवं अन्य उच्च स्तरीय संपर्क और बेहतर हों।

27. महामहिम, मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घ आयु की कामना करता हूँ। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

———